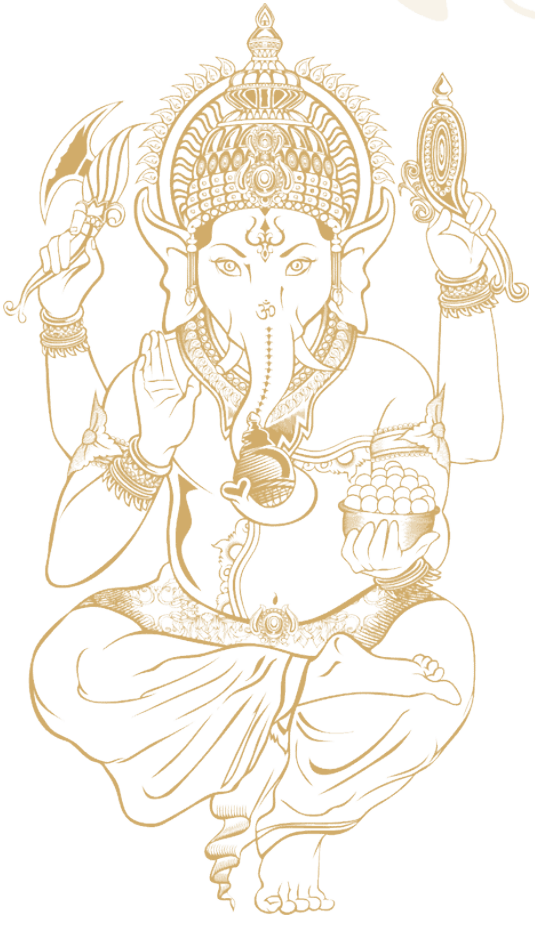

Mr.Chandrankit

Km.Kavyanjali

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121416701

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121416701 Date: 27/02/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13/07/2001	जन्म तिथि	19/03/2005
शुक्रवार	दिन	शनिवार
घंटे 23:20:00	जन्म समय	13:30:00 घंटे
घटी 43:35:34	जन्म समय(घटी)	17:11:05 घटी
India	देश	India
Banswara	स्थान	Banswara
23:32:00 उत्तर	अक्षांश	23:32:00 उत्तर
74:28:00 पूर्व	रेखांश	74:28:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:32:08	स्थानिक संस्कार	-00:32:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:53:46	सूर्योदय	06:37:34
19:21:40	सूर्यास्त	18:42:38
23:52:26	चित्रपक्षीय अयनांश	23:55:41

मीन	लग्न	मिथुन
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	बुध
मीन	राशि	मिथुन
गुरु	राशि-स्वामी	बुध
रेवती	नक्षत्र	पुनर्वसु
बुध	नक्षत्र स्वामी	गुरु
4	चरण	1
सुकर्मा	योग	शोभन
बालव	करण	कौलव
ची-चिराग	जन्म नामाक्षर	के-केसरी
कर्क	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन
विप्र	वर्ण	शूद्र
जलचर	वश्य	मानव
गज	योनि	मार्जार
देव	गण	देव
अन्त्य	नाड़ी	आद्य
सिंह	वर्ग	मार्जार

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 3वर्ष 8मा 24दि		11:00:48	मीन	लग्न	मिथु	25:59:17	गुरु 14वर्ष 1मा 4दि	
शुक्र		27:30:39	मिथु	सूर्य	मीन	04:53:23	शनि	
07/04/2012		27:04:20	मीन	चंद्र	मिथु	21:35:09	24/04/2019	
07/04/2032		21:30:22	वृश्चि व	मंगल	मक	05:02:56	24/04/2038	
शुक्र	07/08/2015	07:04:50	मिथु	बुध	मीन	20:08:29	शनि	27/04/2022
सूर्य	06/08/2016	06:17:27	मिथु	गुरु व	कन्या	21:57:26	बुध	04/01/2025
चन्द्र	07/04/2018	14:56:44	वृष	शुक्र	मीन	01:54:06	केतु	13/02/2026
मंगल	07/06/2019	16:31:05	वृष	शनि व	मिथु	26:28:24	शुक्र	14/04/2029
राहु	07/06/2022	12:22:04	मिथु व	राहु व	मीन	29:07:35	सूर्य	27/03/2030
गुरु	05/02/2025	12:22:04	धनु व	केतु व	कन्या	29:07:35	चन्द्र	27/10/2031
शनि	07/04/2028	00:12:08	कुंभ व	हर्ष	कुंभ	14:04:28	मंगल	04/12/2032
बुध	06/02/2031	13:57:15	मक व	नेप	मक	22:41:04	राहु	11/10/2035
केतु	07/04/2032	19:05:22	वृश्चि व	प्लूटो	धनु	00:34:12	गुरु	24/04/2038

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:52:26 चित्रपक्षीय अयनांश 23:55:41

लग्न-चलित

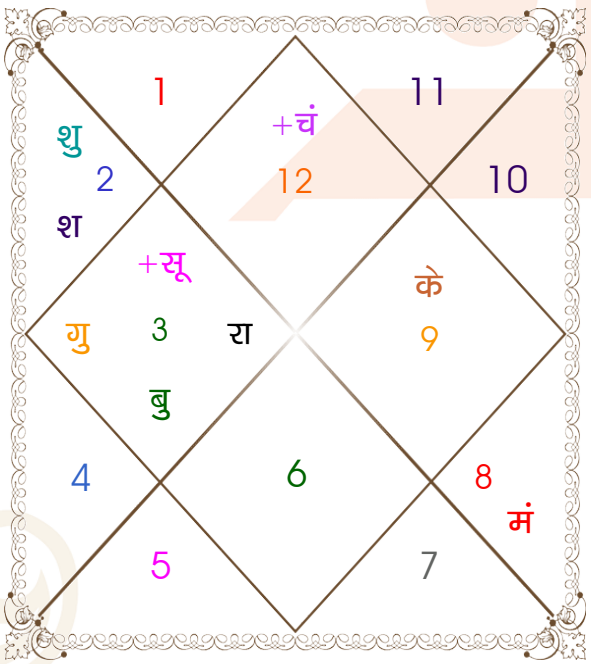

लग्न-चलित

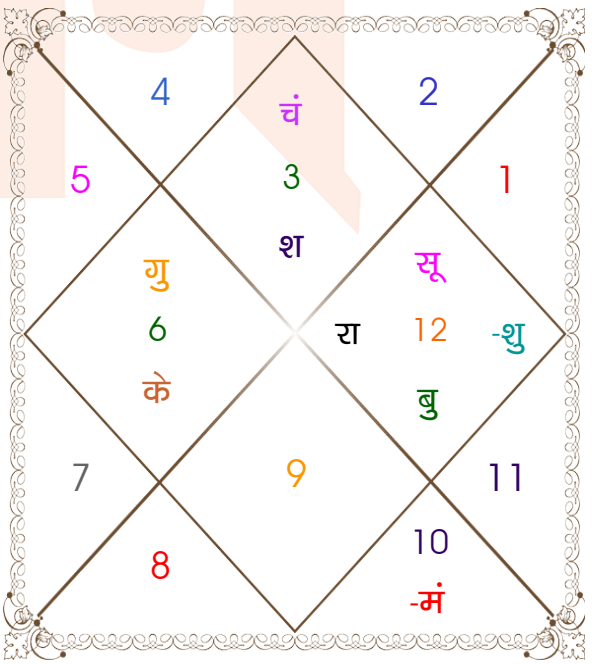

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

कुल : **27 / 36**

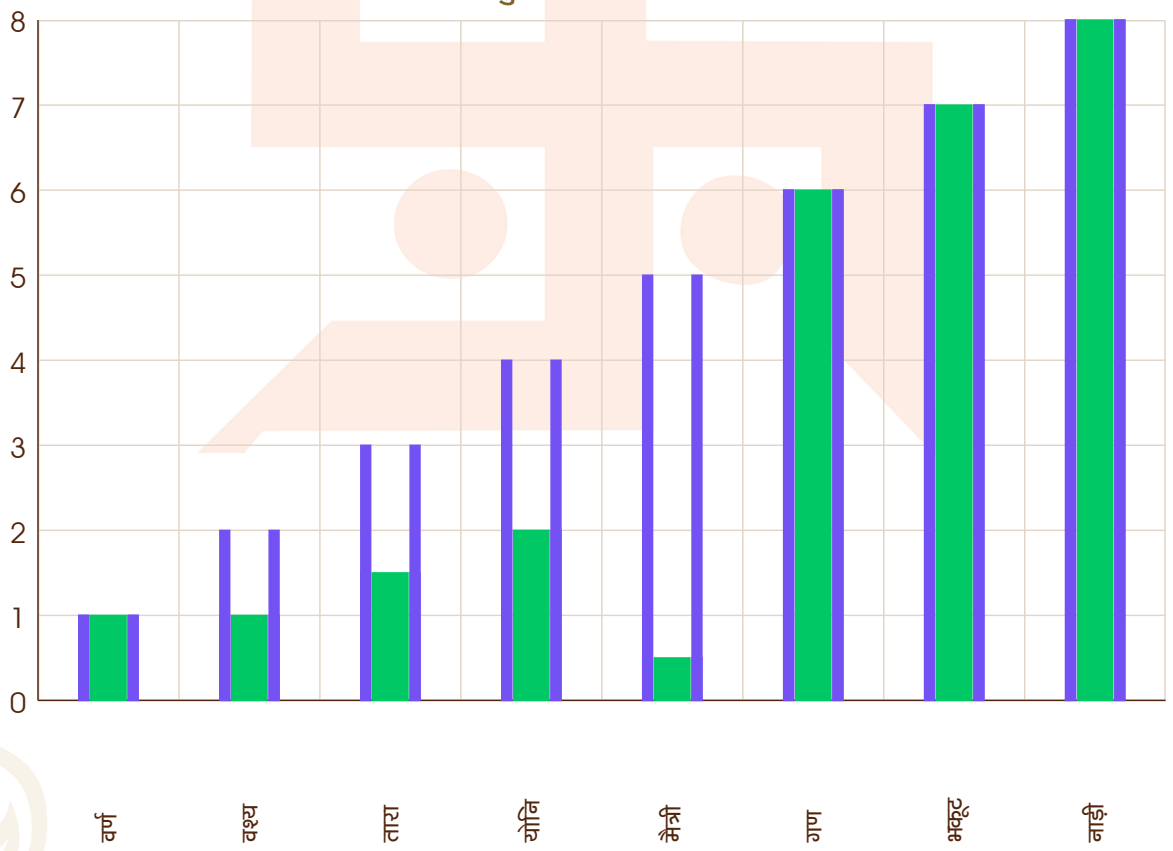

अष्टकूट मिलान

Mr.Chandrankit का वर्ग सिंह है तथा Km.Kavyanjali का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.Chandrankit और Km.Kavyanjali का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.Chandrankit मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Km.Kavyanjali मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Km.Kavyanjali कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr.Chandrankit कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.Chandrankit तथा Km.Kavyanjali में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr.Chandrankit का वर्ण ब्राह्मण तथा Km.Kavyanjali का वर्ण शूद्र है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। Km.Kavyanjali सभी को मान एवं प्रतिष्ठा देती है तथा सेवा करती रहेंगी। साथ ही वह सबकी अपेक्षाओं को पूरा करती रहेंगी तथा किसी के भी साथ तर्क-वितर्क नहीं करेंगी। Km.Kavyanjali एक नर्स की भाँति अपने पति एवं बच्चों की सेवा एवं तिमारदारी करती रहेंगी।

वश्य

Mr.Chandrankit का वश्य जलचर है एवं Km.Kavyanjali का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है। जिसके कारण यह मिलान मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जलचर कभी भी मनुष्य के ऊपर नियंत्रण स्थापित नहीं कर सकता। इसके विपरीत, मनुष्य या तो जलचरों पर नियंत्रण कर लेता है अथवा उसे समाप्त कर देता है अथवा उसका भक्षण कर लेता है अथवा उससे दूर भागता है। अतः यदि इन दोनों बीच विवाह सम्पन्न होता है तो यह अनुकूल नहीं रहेगा। इस स्थिति में Km.Kavyanjali अति हावी होती रहेगी तथा हमेशा अपने पति को गुलाम समझती रहेगी तथा चाहेगी कि Mr.Chandrankit उसकी आज्ञा का पालन करे। इससे घर की शांति भंग होगी तथा प्रगति एवं समृद्धि पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

तारा

Mr.Chandrankit की तारा विपत तथा Km.Kavyanjali की तारा मित्र है। Mr.Chandrankit की तारा विपत होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Mr.Chandrankit एवं Mr.Chandrankit के परिवार के लिए यह विवाह कष्टदायक हो सकता है तथा जिसके परिणामस्वरूप कष्ट, हानि एवं विपत्ति की संभावना बनी रहेगी। यद्यपि Km.Kavyanjali हमेशा अपने पति एवं परिवार के लिए सहयोगी एवं मददगार बनी रहेगी किंतु अपने पति के दुर्भाग्य का शिकार होकर Km.Kavyanjali को भी कष्ट झेलना पड़ सकता है। दुर्भाग्यवश बच्चे भी एवं विपन्नता का शिकार हो सकते हैं।

योनि

Mr.Chandrankit की योनि गज है तथा Km.Kavyanjali की योनि मार्जार है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि

दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr.Chandrankit का राशि स्वामी Km.Kavyanjali के राशि स्वामी से शत्रु का संबंध रखता है। जबकि Km.Kavyanjali का राशि स्वामी Mr.Chandrankit के राशि स्वामी के साथ सम रहता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए शत्रु किंतु दूसरा उसे सम मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

Mr.Chandrankit का गण देव तथा Km.Kavyanjali का गण भी देव है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं संवेदनशील स्वभाव के होंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के अति अनुकूल होंगे तथा एक-दूसरे का काफी ख्याल रखने वाले होंगे। ऐसी स्थिति में वैवाहिक संबंध के उपरांत शांति, सुख, खुशहाली एवं समृद्धि हमेशा कदम चूमती रहेगी।

भकूट

Mr.Chandrankit से Km.Kavyanjali की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है तथा Km.Kavyanjali से Mr.Chandrankit की राशि दशम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Mr.Chandrankit परिश्रमी एवं अपने व्यवसाय में काफी अच्छे होंगे। अपने व्यवसाय में लगन, निष्ठा एवं मेहनत के कारण उन्हें सभी से प्रशंसा प्राप्त होती रहेगी। दूसरी ओर Km.Kavyanjali घरेलू होंगी। अपने आतिथ्य भाव एवं सब का

ध्यान रखने तथा बड़ों को सम्मान देने की प्रवृत्ति कारण परिवार के सदस्यों की आंखों का तारा होंगी। पति-पत्नी के बीच असीम प्रेम, सहयोग एवं सामंजस्य बना रहेगा।

नाड़ी

Mr.Chandrankit की नाड़ी अन्त्य है तथा Km.Kavyanjali की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह समन्वय शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ को संतुलित करता है। Mr.Chandrankit की अन्त्य नाड़ी तथा Km.Kavyanjali की आद्य नाड़ी होने के कारण उत्तम स्वास्थ्य, सम्पत्ति, सत्ता, शक्ति एवं दम्पत्ति के पारस्परिक प्रेम एवं सहयोग समय-समय पर मिलता रहेगा। आपकी संतान अति भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं शक्ति संपन्न होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr.Chandrankit की जन्मराशि जलतत्व युक्त मीन तथा Km.Kavyanjali की राशि वायुतत्व युक्त मिथुन राशि है। जल तथा वायुतत्व में नैसर्गिक विषमता के कारण इनमें स्वभावगत विषमता होगी जिससे सम्बंधो में मधुरता की न्यूनता रहेगी। अतः यह मिलान अच्छा नहीं रहेगा।

Mr.Chandrankit की जन्मराशि का स्वामी बृहस्पति तथा Km.Kavyanjali की राशि का स्वामी बुध परस्पर सम एवं शत्रु है अतः इसके प्रभाव से Mr.Chandrankit और Km.Kavyanjali के संबंधों में तनाव रहेगा तथा परस्पर मतभेद एवं विरोध एवं का भाव भी यदा कदा परिलक्षित होगा। वे एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे वैमनस्य एवं आलोचनात्मक भावों में वृद्धि होगी फलतः दाम्पत्य जीवन में सुखद क्षणों की कमी रहेगी तथा अधिकतर समय विवाद में ही व्यतीत होगा।

Mr.Chandrankit और Km.Kavyanjali की राशियां परस्पर चतुर्थ तथा दशम भाव मे पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त अशुभ प्रभावों में न्यूनता आएगी तथा आपस में प्रेम सहयोग एवं आकर्षण का भाव उत्पन्न होगा जिससे संबंधों में मधुरता के भाव में वृद्धि होगी तथा दाम्पत्य जीवन सुख शान्ति एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। साथ ही एक दूसरे का सुख सुविधा का ध्यान रखने के लिए दोनों तत्पर रहेंगे। इसके अतिरिक्त सुखों का उपभोग करने में समर्थ रहेंगे।

Mr.Chandrankit का वश्य जलचर तथा Km.Kavyanjali का वश्य मानव है। जलचर तथा मानव में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में भिन्नता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी विषमता का भाव होगा साथ ही कामसंबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा संतुष्ट रखने में असमर्थ होंगे जिससे परस्पर कलह तथा तनाव का भाव होगा।

Mr.Chandrankit का वर्ण ब्राह्मण तथा Km.Kavyanjali का वर्ण शूद्र है। अतः Mr.Chandrankit की प्रवृति शैक्षणिक तथा धार्मिक कार्य करने में रहेगी जबकि Km.Kavyanjali की प्रवृति किसी भी कार्य को ईमानदारी तथा परिश्रम से करने की होगी फलतः कार्य क्षेत्र में अनुकूलता रहेगी।

धन

Mr.Chandrankit और Km.Kavyanjali दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं

होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

Mr.Chandrankit का जन्म अन्त्य तथा Km.Kavyanjali का जन्म आद्य नाड़ी में हुआ है। अतः स्वास्थ्य पर इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा नाड़ी दोष से मुक्त माने जाएंगे। परन्तु मंगल का दुष्प्रभाव Mr.Chandrankit को समय समय पर न्यूनाधिक रूप से होता रहेगा। इसके प्रभाव से Mr.Chandrankit हृदय संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगे एवं रक्त तथा पित संबंधी रोगों से भी पर कष्ट की प्राप्ति होगी। साथ ही धातु या मूत्र रोग संबंधी परेशानी की भी संभावना होगी। अतः इसके दुष्प्रभाव से बचने के लिए Mr.Chandrankit को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास भी रखने चाहिए। इससे उपरोकत अशुभ प्रभावों में कमी होगी तथा शुभ प्रभावों की प्राप्ति करने में समर्थ रहेंगे।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Mr.Chandrankit और Km.Kavyanjali का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Mr.Chandrankit और Km.Kavyanjali के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Km.Kavyanjali के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Km.Kavyanjali को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Km.Kavyanjali को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Mr.Chandrankit और Km.Kavyanjali सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Mr.Chandrankit और Km.Kavyanjali का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Km.Kavyanjali के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद Km.Kavyanjali

अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामजंस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से Km.Kavyanjali पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि Km.Kavyanjali अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबधो में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

Mr.Chandrankit तथा उनकी सास के आपसी संबधों में विशेष मधुरता नहीं रहेगी तथा कई मामलों में उनके मध्य काफी प्रबल मतभेद समय समय पर दृष्टि गोचर होंगे। अतः यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता के भाव का प्रदर्शन किया जाय तो इन मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा आपसी संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी जिससे स्नेह एवं सम्मान का भाव बना रहेगा।

लेकिन ससुर के साथ में Mr.Chandrankit के संबध अच्छे रहेंगे तथा वह उन्हें अपने पिता की तरह मान सम्मान तथा सेवा का भाव प्रदान करेंगे। साथ ही समयानुसार वह Mr.Chandrankit को अपनी ओर से बहुमूल्य तथा आवश्यक सलाह भी प्रदान करते रहेंगे एवं उन्हें अपने पुत्र के समान अपनत्व तथा स्नेह प्रदान करेंगे। साले एवं सालियों के साथ ही Mr.Chandrankit के संबध अच्छे रहेंगे तथा उनसे वांछित आदर सहयोग एवं सहानुभूति प्राप्त होती रहेगी। साथ ही उनसे सामंजस्य का भाव भी रहेगा। इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण Mr.Chandrankit के प्रति अनुकूल ही रहेगा।